

श्लोक चालीस का गुप्त इतिहास - संख्या तीन

रविवार का कानून और भविष्यसूचक यात्रा: पैट्रियट एक्ट से लेकर अंतिम परीक्षा तक

Jeff Pippenger

2024-09-22

परमेश्वर की व्यवस्था का उल्लंघन करते हुए पापसी की संस्था को लागू करने वाले फरमान के द्वारा हमारा राष्ट्र अपने को पूरी तरह धर्मनिष्ठा से अलग कर लेगा। जब प्रोटेस्टेंटवाद खाई के पार अपना हाथ बढ़ाकर रोमी शक्ति का हाथ थामेगा, जब वह आत्मवाद से हाथ मिलाने के लिए गर्त के ऊपर तक हाथ बढ़ाएगा, जब इस त्रिपक्षीय संघ के प्रभाव में हमारा देश एक प्रोटेस्टेंट और गणतांत्रिक शासन के रूप में अपने संविधान के प्रत्येक सिद्धांत का परित्याग करेगा और पापसी के असत्य और भ्रमों के प्रसार के लिए व्यवस्था करेगा, तब हम जान लेंगे कि शैतान के आश्चर्यजनक कार्यों का समय आ गया है और अंत निकट है।

जैसे रोमी सेनाओं का निकट आना शिष्यों के लिए यरूशलेम के आसन्न विनाश का चिन्ह था, वैसे ही यह धर्मत्याग हमारे लिए इस बात का चिन्ह हो कि परमेश्वर की सहनशीलता की सीमा तक पहुँच चुकी है, कि हमारे राष्ट्र के अधर्म का परिमाण भर चुका है, और कि दया का स्वर्गदूत अब उड़ान भरने को है, और फिर कभी लौटने वाला नहीं। तब परमेश्वर की प्रजा उन क्लेश और संकट के दृश्यों में डाल दी जाएगी जिन्हें भविष्यद्वक्ताओं ने 'याकूब के संकट का समय' कहा है। विश्वासयोग्य, सताए हुए जनों की पुकार स्वर्ग तक पहुँचती है। और जैसे हाबिल का लहू भूमि से पुकारता था, वैसे ही शहीदों की कब्रों से, समुद्र की समाधियों से, पर्वतीय गुफाओं से, मठों के तहखानों से भी परमेश्वर की ओर पुकारती हुई आवाज़ें उठती हैं: 'हे प्रभु, जो पवित्र और सत्य है, कब तक तू न्याय न करेगा और पृथ्वी पर रहने वालों से हमारे लहू का बदला न लेगा?'

प्रभु अपना कार्य कर रहे हैं। समस्त स्वर्ग सक्रिय हो उठा है। समस्त पृथ्वी के न्यायाधीश शीघ्र उठ खड़े होने वाले हैं और अपने अपमानित अधिकार की प्रतिष्ठा बहाल करेंगे। उद्धार का चिन्ह उन मनुष्यों पर लगाया जाएगा जो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करते हैं, जो उसकी व्यवस्था का आदर करते हैं, और जो पशु के या उसकी प्रतिमा के चिन्ह को अस्वीकार करते हैं।

परमेश्वर ने प्रकट किया है कि अंतिम दिनों में क्या होने वाला है, ताकि उसकी प्रजा विरोध और क्रोध के तूफान का सामना करने के लिए तैयार हो जाए। जिन्हें आगे आने वाली घटनाओं के विषय में चेताया गया है, उन्हें आने वाले तूफान की शांत प्रतीक्षा में बैठना नहीं चाहिए, यह सोचकर स्वयं को दिलासा देते हुए कि संकट के दिन प्रभु अपने विश्वासयोग्यों को आश्रय देंगे। हमें अपने प्रभु की प्रतीक्षा करने वाले मनुष्यों के समान होना है—न कि निष्क्रिय अपेक्षा में, परन्तु अटल विश्वास के साथ गंभीर परिश्रम में। अब यह समय नहीं है कि हम अपने मन को गौण बातों में उलझा रहने दें। जब लोग सो रहे होते हैं, शैतान सक्रिय रूप से व्यवस्थाएँ कर रहा है ताकि प्रभु की प्रजा को न दया मिले न न्याय। रविवार का आंदोलन अब अँधेरे में अपना मार्ग बना रहा है। नेता वास्तविक मुद्दे को छिपा रहे हैं, और जो बहुत से लोग इस आंदोलन से जुड़ रहे हैं, वे स्वयं नहीं देखते कि भीतर-ही-भीतर की धारा किस दिशा में जा रही है। इसके दावे नरम हैं और ऊपर से मसीही प्रतीत होते हैं, परन्तु जब यह बोलेगा तो यह अजगर की आत्मा प्रकट करेगा। हमारा कर्तव्य है कि अपनी सामर्थ्य के अनुसार सब कुछ करें ताकि मंडराते हुए खतरे को टाला जा सके। हमें लोगों के सामने अपने आप को उचित रूप में प्रस्तुत करके पूर्वाग्रह को दूर करने का प्रयास करना चाहिए। हमें उनके सामने वास्तविक विवाद का प्रश्न रखना चाहिए, ताकि विवेक की स्वतंत्रता को सीमित करने वाले उपायों के विरुद्ध हम सबसे प्रभावी विरोध प्रस्तुत कर सकें। हमें पवित्र शास्त्रों का अध्ययन करना चाहिए और अपने विश्वास का कारण बता सकने योग्य होना चाहिए। भविष्यद्वक्ता कहता है: 'दुष्ट दुष्टता ही करेंगे; और दुष्टों में से कोई नहीं समझेगा; परन्तु बुद्धिमान समझेंगे।' टेस्टिमोनीज़, खंड 5, 451, 452.

जब "रविवार आंदोलन" "बोलेगा, तो वह अजगर की आत्मा को प्रकट करेगा।" चार अनुच्छेद यह बताते हैं कि रविवार के कानून के समय संयुक्त राज्य "धार्मिकता से पूरी तरह अपने को अलग कर लेगा।" रविवार के कानून के समय "शैतान के आश्चर्यजनक कार्य के लिए समय आ गया है।" रविवार के कानून के समय त्रिपक्षीय एकता स्थापित हो जाती है। रविवार के कानून के समय संयुक्त राज्य "एक प्रोटेस्टेंट गणतांत्रिक सरकार के रूप में अपने संविधान के हर सिद्धांत का अस्वीकार करता है", और वे "पापाई असत्यताओं और भ्रांतियों के प्रसार की व्यवस्था भी करते हैं।" वह रविवार का कानून हमारे लिए "चिन्ह है कि परमेश्वर की सहनशीलता की सीमा पहुँच गई है, कि हमारे राष्ट्र के अधर्म का पैमाना भर गया है, और कि दया का स्वर्गदूत अपनी उड़ान भरने को है, जो फिर कभी लौटेगा नहीं।" उस चिन्ह का प्रतिरूप यीशु द्वारा दी गई उस चेतावनी में था जिसमें उन्होंने भविष्यद्वक्ता दानिय्येल द्वारा कही गई उजाड़ने वाली घृणास्पद वस्तु की पहचान कराई। वहीं पाँचवीं मुहर के शहीदों की यह प्रार्थना, "हे प्रभु, पवित्र और सत्य, कब तक तू पृथ्वी पर रहने वालों से हमारे लहू का न्याय नहीं करेगा और उसका बदला नहीं लेगा?" पूरी होती है। उसी मार्गचिह्न पर मूर्ख और बुद्धिमान कुँवारियाँ अपने-अपने चरित्र प्रकट करती हैं।

रविवार के कानून के समय, संयुक्त राज्य अमेरिका "अपने संविधान के प्रत्येक सिद्धांत को अस्वीकार कर देता है।" यह कार्य जिस समयावधि में संपन्न हुआ, उसकी शुरुआत 2001 में Patriot Act से हुई। 2001 से लेकर रविवार के कानून तक का समय, संविधान को अस्वीकार करने के एक क्रमिक कार्य का प्रतिनिधित्व करता है। यह क्रमिक कार्य उस भविष्यवाणी की रेखा से मेल खाता है जहाँ पशु की प्रतिमा का गठन संपन्न होता है। पशु की प्रतिमा की रेखा थोड़ी अधिक जटिल प्रतीत हो सकती है, लेकिन यह जटिलता समझने लायक है। पशु की प्रतिमा की रेखा को जटिल बनाने वाली बात यह है कि वह दो रेखाओं का प्रतिनिधित्व करती है।

पृथ्वी के पशु के लिए, वे दो रेखाएँ गणतंत्रवाद और प्रोटेस्टेंटवाद के सींग हैं। वे दोनों सींग एक कलीसिया-राज्य संबंध में आकर मिलते हैं और इस प्रकार पशु की छवि के निर्माण को पूरा करते हैं। इसलिए, पशु की छवि के निर्माण की रेखा में एक ही रेखा के भीतर दो रेखाएँ होती हैं, क्योंकि गणतंत्रवादी और प्रोटेस्टेंट सींग इतिहास भर एक-दूसरे के समानांतर चलते हैं, पर उनकी व्यक्तिगत रेखाओं की अपनी-अपनी भविष्यवाणी-संबंधी गवाही भी देनी होती है। दो समानांतर विषयों वाली एक भविष्यवाणी-संबंधी रेखा केवल उन राजनीतिक कार्यों के मार्गचिह्नों को चिह्नित कर देने से अधिक जटिल है, जो संविधान से संबंधित 'बोलने' का प्रतिनिधित्व करते हैं।

रिपब्लिकन और प्रोटेस्टेंट सींगों की दो रेखाएँ भविष्यवाणी-संबंधी इस तथ्य से और जटिल हो जाती हैं कि रिपब्लिकन सींग के भीतर दासप्रथा-समर्थक डेमोक्रेट्स और दासप्रथा-विरोधी रिपब्लिकनों के बीच संघर्ष का इतिहास निहित है; और यह भी कि प्रोटेस्टेंट सींग के भीतर एक निरंतर परीक्षण की प्रक्रिया चलती रहती है, जो प्रोटेस्टेंट सींग के इतिहास में बुद्धिमान और मूर्ख कुँवारियों का अनुसरण करती है। फिर भी, इन सत्यों में दृढ़ता से स्थापित होना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

धरती के पशु के दो सींगों द्वारा दर्शाई गई रेखा के भीतर यह समानांतर चित्रण है कि या तो मसीह का चरित्र गढ़ा जा रहा है या शैतान का चरित्र, जो मसीह की प्रतिमा बनाने या पशु की प्रतिमा बनाने के बराबर है, क्योंकि इस संदर्भ में "पशु" सृष्टिकर्ता के विपरीत एक सृजित प्राणी का प्रतिनिधित्व करता है। इन गुणों का निर्माण सभी मनुष्यों में आंतरिक रूप से होता है, क्योंकि जब अनुग्रहकाल समाप्त होता है तब केवल दो वर्ग रह जाते हैं। यह गठन बाह्य रूप से भी पापाई सत्ता और संयुक्त राष्ट्र के बीच गठबंधन द्वारा सम्पन्न होता है।

तो, पशु की प्रतिमा के निर्माण के परीक्षण का समय 2001 में शुरू हुआ, और यह संयुक्त राज्य अमेरिका में रविवार के कानून पर समाप्त होता है। उस अवधि में पृथ्वी के पशु के दो सींगों का भविष्यसूचक इतिहास अपने-अपने सींगों के भीतर, चाहे धार्मिक हो या राजनीतिक, आंतरिक और बाहरी विवाद को, और स्वयं दोनों सींगों के बीच के संघर्ष को भी दर्शाता है।

संयुक्त राज्य अमेरिका में रविवार का कानून, भागने की उस चेतावनी का प्रतिनिधित्व करता है जिसे यीशु ने "उजाड़ की घृणित वस्तु" के रूप में पहचाना था। संयुक्त राज्य अमेरिका में रविवार का कानून 2001 में शुरू हुई अवधि का

समापन है। पैट्रियट एक्ट "दानियेल द्वारा कही गई उजाड़ की घृणित वस्तु" था, और उसे यीशु ने आने वाले विनाश से भागने के संकेत के रूप में पहचाना।

पैट्रियट एक्ट में 1888 का भविष्यसूचक प्रकाश और ब्लेयर बिल शामिल हैं। इसके साथ ही पैट्रियट एक्ट भविष्यसूचक रूप से रविवार क़ानून के प्रतिरूप को भी समाहित करता है, अतः 2001 से आरंभ होने वाली अवधि एक रविवार क़ानून से शुरू होती है—जैसा कि 1888-ब्लेयर बिल और 2001-पैट्रियट एक्ट द्वारा प्रतिरूपित है—और इसका अंत रविवार क़ानून पर होता है।

2001 में शहरों से निकल भागने की चेतावनी, रविवार के कानून के समय बाबेल से निकल भागने की चेतावनी का प्रतिरूप है। रविवार के कानून पर संयुक्त राज्य अमेरिका पर लाया गया न्याय, उस न्याय का प्रतिरूप है जो तब सारे संसार पर लाया जाएगा जब मिखाएल खड़ा होगा और मनुष्य का अनुग्रह काल समाप्त हो जाएगा। 'अल्फा और ओमेगा' के रूप में मसीह की छाप 1888 के ब्लेयर विधेयक द्वारा प्रस्तुत सत्तों में बार-बार दिखाई देती है, और 1888 जो कुछ भी दर्शाता है, वह 2001 में फिर से दोहराया गया।

2001, जिसका प्रतिरूप 1888 था, केवल उजाड़ की घृणित वस्तु द्वारा दर्शाए गए भागने के संकेत का ही प्रतिनिधित्व नहीं करता, बल्कि यह 66 ईस्वी और केस्टियस की घेराबंदी द्वारा भी दर्शाया गया था। 70 ईस्वी में टाइटस की घेराबंदी संयुक्त राज्य अमेरिका में रविवार के कानून का प्रतिनिधित्व करती है। संयुक्त राज्य अमेरिका में रविवार का कानून वर्ष 321 और कॉन्स्टैन्टिन के प्रथम रविवार के कानून द्वारा दर्शाया गया है, और 538 उस समय का प्रतिनिधित्व करता है जब पृथ्वी का अंतिम राष्ट्र पशु के चिन्ह के आगे झुक जाता है।

2001, 1888, सेस्टियस और 66 ईस्वी के समान है। रविवार का कानून टाइटस और 70 ईस्वी तथा 321 ईस्वी के समान है। 2001 यीशु का बपतिस्मा भी है, और 11 अगस्त 1840 को प्रकाशितवाक्य अध्याय दस में उसका अवतरण भी है। ये सभी प्रतीक संविधान की रेखा में योगदान करते हैं।

संयुक्त राज्य का भविष्यसूचक इतिहास, एडवेंटवाद के इतिहास के समानांतर चलता है। 1798 में पापसी को उसका घातक घाव लगा, और 1798 ही अन्त का समय था, जब दानियेल की भविष्यद्वानियों के उस भाग पर लगी मुहर खोली गई जो प्रकाशितवाक्य 14 के पहले और दूसरे स्वर्गदूतों के इतिहास से संबंधित था। उसी 1798 में, एडवेंटवाद का भविष्यसूचक आरंभ चिह्नित होता है, और 1798 में मेमने के समान सींगों वाला, पृथ्वी से निकलने वाला पशु बाइबिल की भविष्यवाणी का छठा राज्य बन गया।

1798 से पहले पृथ्वी के पशु की रेखा से संबंधित तीन भविष्यसूचक मार्गचिह्न थे, और इस प्रकार वे संयुक्त राज्य की वाणी और संयुक्त राज्य के संविधान से भी जुड़े थे। वे तीन मार्गचिह्न थे—1776 में घोषित की गई स्वतंत्रता की घोषणा, फिर 1789 में संविधान, और फिर 1798 के विदेशी और देशद्रोह अधिनियम।

वे तीन मार्गचिह्न संविधान की भविष्यवाणी की रेखा को संबोधित करते हैं और बाइबल की भविष्यवाणी के छठे राज्य की शुरुआत को चिह्नित करते हैं। रविवार का कानून बाइबल की भविष्यवाणी के छठे राज्य के शासन का अंत है, और इसलिए भविष्यसूचक अनिवार्यता के अनुसार अंत से पहले भी तीन मार्गचिह्न होने चाहिए, जैसा कि शुरुआत से पहले के तीन मार्गचिह्नों द्वारा प्रतीकित है।

2001 में, टारों के पतन के समय, पैट्रियट एक्ट का प्रतिरूप 1888 का ब्लेयर बिल है, और इसके साथ मिनियापोलिस जनरल कॉन्फ्रेंस में एडवेंटिज़्म के नेतृत्व की प्रकट बगावत भी। वह बगावत, जिसके बारे में एक स्वर्गदूत ने सिस्टर व्हाइट से कहा था कि वह कोरह, दातान और अबीराम द्वारा मूसा के विरुद्ध की गई बगावत से प्रतीकित थी, 27 ईस्वी में मसीह के बपतिस्मा, 11 अगस्त, 1840 को इस्लाम पर लगाए गए अंकुश और 1776 में स्वतंत्रता की घोषणा द्वारा भी प्रतिरूपित है, साथ ही "उजाड़ने वाली घृणास्पद वस्तु, जिसके विषय में भविष्यद्वक्ता दानिएल ने कहा" आने वाले प्रकोप से भागने का संकेत है, जैसा कि सेस्टियस और 66 ईस्वी द्वारा दर्शाया गया है।

यदि आप अब भी यह याद रखते हैं कि जिस भविष्यवाणी की रेखा पर हम अभी विचार कर रहे हैं, वह संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान की रेखा है, तो उपर्युक्त सभी भविष्यसूचक रेखाएँ संविधान की रेखा द्वारा प्रतिनिधित्व किए गए भविष्यसूचक विषय में योगदान देती हैं और उसे स्थापित करती हैं। फिर भी जो रेखा सबसे अधिक परस्पर जुड़ी हुई प्रतीत होती है, वह पशु की प्रतिमा के गठन की रेखा है। पशु की प्रतिमा पापाई पशु की प्रतिमा है, जिसे एक ऐसे पशु के रूप में दर्शाया गया है जिस पर एक स्त्री राज्य करती है, अर्थात् चर्च और राज्य का ऐसा संयोजन जिसमें इस संबंध पर नियंत्रण चर्च का हो। संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए पशु की प्रतिमा बनाने के लिए, धर्मत्यागी प्रोटेस्टेंटवाद को सरकार पर इतना नियंत्रण स्थापित करना होगा कि सरकार धार्मिक क़ानून पारित करे और उन्हें लागू करे, और अंततः रविवार का क़ानून भी।

जैसे ही पशु की प्रतिमा बनाने की प्रक्रिया पूर्ण हो जाती है, थॉमस जेफ़रसन द्वारा "चर्च और राज्य का पृथक्करण" के रूप में लिखे गए प्रधान सिद्धांत वाला संविधान उलट दिया जाएगा। जब प्रोटेस्टेंट सींग के पास धार्मिक आदेश लागू कराने के लिए गणतांत्रिक सींग को निर्देशित करने की शक्ति होगी, तब संविधान का मूल ही तार-तार हो जाएगा; और यही संविधान की रेखा तथा पशु की प्रतिमा की रेखा के बीच का भविष्यसूचक संबंध है।

वह अवधि, जिसमें पशु की प्रतिमा का निर्माण होता है, 2001 में पैट्रियट एक्ट के साथ शुरू हुई, और यह रविवार के कानून पर समाप्त होती है, जब पशु का चिन्ह लागू किया जाएगा। उस अवधि के दौरान अंतिम वर्षा की फुहारें पड़ती हैं, क्योंकि अंतिम वर्षा तब गिरना प्रारंभ होती है जब प्रकाशितवाक्य के अठारहवें अध्याय का शक्तिशाली स्वर्गदूत उतरता है और अपनी महिमा से पृथ्वी को प्रकाशित करता है; बहन व्हाइट के अनुसार यह तब घटित होगा जब न्यूयॉर्क शहर की विशाल इमारतें प्रभु के एक स्पर्श से ढहा दी जाएंगी।

"अंतिम वर्षा परमेश्वर के लोगों पर गिरने वाली है। एक शक्तिशाली स्वर्गदूत स्वर्ग से उतरने वाला है, और सम्पूर्ण पृथ्वी उसकी महिमा से आलोकित हो जाएगी।" Review and Herald, 21 अप्रैल, 1891.

अंतिम वर्षा के छिड़काव की अवधि उस समयावधि का प्रतिनिधित्व करती है जब एडवेंटिज़्म की अंतिम पीढ़ी के गेहूँ और जंगली घास की छंटाई और शुद्धीकरण हो रहा होता है। वही छंटाई और शुद्धीकरण रविवार के क़ानून पर समाप्त हो जाती है, और जब रविवार के क़ानून का संकट आता है तो जिन बुद्धिमान कुँवारियों के पास तेल होता है, उन पर मुहर लगा दी जाती है, और फिर मीकाएल के खड़े होने और मानवीय परीक्षाकाल के समाप्त होने तक पवित्र आत्मा बिना माप उंडेला जाता है।

संयुक्त राज्य अमेरिका में पशु की प्रतिमा के निर्माण के दौरान अंतिम वर्षा छिटपुट रूप से हो रही होगी, और संसार में पशु की प्रतिमा के निर्माण के दौरान अंतिम वर्षा अपरिमित रूप से उंडेली जाएगी।

2001 में लाओदीकिया की सेवेंथ-डे एडवेंटिस्ट कलीसिया की परख आरंभ हुई, जैसा कि 11 अगस्त, 1840 के प्रोटेस्टेंटों तथा मसीह के बपतिस्मा के समय के प्राचीन इस्राएल द्वारा प्रतिरूपित था।

"कसौटी का समय हम पर आ पहुँचा है, क्योंकि पापों को क्षमा करने वाले उद्धारकर्ता मसीह की धार्मिकता के प्रकाशन में तीसरे स्वर्गदूत की प्रबल पुकार पहले ही आरंभ हो चुकी है। यह उस स्वर्गदूत के प्रकाश का आरंभ है जिसकी महिमा पूरी पृथ्वी को भर देगी।" चयनित संदेश, पुस्तक 1, 362.

पूर्व वाचा-जन के लिए अंतिम परख की प्रक्रिया तब शुरू होती है जब प्रकाशितवाक्य अध्याय अठारह के स्वर्गदूत का प्रकाश अपना संदेश प्रस्तुत करना शुरू करता है। उसका संदेश प्रकाशितवाक्य के अध्याय अठारह की पहली तीन आयतों में भी दर्शाया गया है, और सिस्टर व्हाइट के अनुसार, वे तीन आयतें तब पूरी हुईं जब न्यूयॉर्क सिटी की विशाल इमारतें ढह गईं।

इसके बाद परीक्षा की प्रक्रिया शुरू हुई, जैसा कि प्रकाशितवाक्य के अध्याय दस में यूहन्ना द्वारा दर्शाया गया है। परीक्षा यह थी कि क्या तुम उस छोटी पुस्तक को, जो स्वर्गदूत के हाथ में थी, ले लोगे और फिर उसे खा लोगे। इस परीक्षा

काल के दौरान, जब अंतिम वर्षा छिड़की जा रही है, वह केवल उन पर ही गिर रही है जो उस छोटी पुस्तक को लेने और उसे खाने का चुनाव करते हैं।

बहुतों ने बहुत हद तक प्रारंभिक वर्षा को ग्रहण करने में असफलता पाई है। उन्होंने वे सब आशीषें नहीं पाईं जो परमेश्वर ने इस प्रकार उनके लिए प्रदान की हैं। वे अपेक्षा करते हैं कि जो कमी है वह अन्तिम वर्षा से पूरी हो जाएगी। जब अनुग्रह की सबसे प्रचुरता प्रदान की जाएगी, तब वे उसे ग्रहण करने के लिए अपने हृदय खोलने का इरादा रखते हैं। वे एक भयानक भूल कर रहे हैं। मनुष्य के हृदय में अपनी ज्योति और ज्ञान देकर परमेश्वर ने जो कार्य आरंभ किया है, वह निरंतर आगे बढ़ता रहना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति को अपनी आवश्यकता का बोध होना चाहिए। आत्मा के निवास के लिए हृदय को हर प्रकार की अशुद्धि से खाली कर शुद्ध किया जाना चाहिए। पाप के अंगीकार और त्याग, लगन भरी प्रार्थना, और स्वयं को परमेश्वर के प्रति समर्पण के द्वारा ही प्रारंभिक चेलों ने पेन्टेकॉस्ट के दिन पवित्र आत्मा के उंडेले जाने के लिए तैयारी की थी। वही कार्य, बस अधिक बड़े पैमाने पर, अब किया जाना चाहिए। तब मनुष्य को केवल आशीष माँगनी थी और उसके विषय में प्रभु द्वारा उस कार्य को सिद्ध करने की प्रतीक्षा करनी थी। कार्य परमेश्वर ने ही आरंभ किया है, और वही अपने कार्य को पूरा करेगा, यीशु मसीह में मनुष्य को सिद्ध बनाकर। पर प्रारंभिक वर्षा से अभिव्यक्त अनुग्रह की उपेक्षा नहीं की जानी चाहिए। केवल वे ही जो उन्हें मिली हुई ज्योति के अनुसार जीते हैं, अधिक ज्योति प्राप्त करेंगे। यदि हम सक्रिय मसीही सद्गुणों के व्यावहारिक प्रदर्शन में प्रतिदिन प्रगति नहीं कर रहे, तो हम अन्तिम वर्षा में पवित्र आत्मा के प्रकट होने को पहचान नहीं पाएँगे। वह हमारे चारों ओर के हृदयों पर बरस रही होगी, पर हम न तो उसे पहचानेंगे और न ही ग्रहण करेंगे। सेवकों के लिए गवाहियाँ, 506, 507.

जिन्होंने 2001 के संदेश को ग्रहण किया, उन्हें उस काल के अनुरूप संदेश मिल रहा था; पर उन्हें परखा जाना था, ताकि यह प्रकट हो कि क्या उन्होंने सचमुच उस संदेश को हृदयंगम करके उसे परमेश्वर की मुहर के लिए तैयार किए गए अनुभव में ढाल लिया है। उस अवधि में इसलिए पश्चात-वृष्टि को छिड़काव के रूप में दर्शाया गया है, क्योंकि गेहूँ और जंगली घास अभी भी साथ-साथ हैं। इसलिए बहन व्हाइट कहती हैं, "यह हमारे चारों ओर के हृदयों पर गिर रही हो सकती है, पर हम न तो उसे पहचानेंगे, न ही उसे ग्रहण करेंगे।" जब बुद्धिमान मूर्खों से अलग कर दिए जाते हैं, तब पश्चात-वृष्टि अपरिमित रूप से उंडेली जाती है, जैसा पिन्तेकुस्त के समय हुआ था, जो रविवार के कानून का प्रतीक है।

"फिर, ये दृष्टांत सिखाते हैं कि न्याय के बाद कोई अनुग्रह काल नहीं रहेगा। जब सुसमाचार का कार्य पूरा हो जाएगा, तो तुरंत ही भलों और बुरों के बीच विभाजन होगा, और प्रत्येक वर्ग की नियति सदा के लिए निश्चित हो जाएगी।" Christ's Object Lessons, 123.

अंतिम वर्षा के छिड़काव का काल, जिसके बाद एक ऐसा काल आता है जब अंतिम वर्षा अपरिमित रूप से उंडेली जाती है, को भी दो ऐसी अवधियों के रूप में चित्रित किया गया है जिनमें परमेश्वर की प्रजा पर न्याय सम्पन्न किया जाता है। परमेश्वर की प्रजा पर न्याय की पहली अवधि 11 सितम्बर, 2001 को परमेश्वर के घराने से आरम्भ हुई; और रविवार के कानून के समय, न्याय तब परमेश्वर की अन्य भेड़ों के लिए सम्पन्न किया जाता है, जो तीसरे स्वर्गदूत की ऊँची पुकार का प्रत्युत्तर दे रहे हैं या उसे अस्वीकार कर रहे हैं—यह ऊँची पुकार संयुक्त राज्य अमेरिका में रविवार के कानून के साथ आरम्भ होती है और तब समाप्त होती है जब मीकाएल खड़ा होता है और मनुष्य के लिए अनुग्रह का समय बन्द हो जाता है।

अंतिम वर्षा की दो अवधियाँ—जो उस न्याय की भी दो अवधियाँ हैं जो परमेश्वर के घराने से आरंभ होकर फिर परमेश्वर के अन्य झुंड की ओर बढ़ता है—पशु की प्रतिमा के निर्माण की भी दो अवधियाँ हैं।

उन दो भविष्यसूचक अवधियों में से पहली के भीतर, जब ईश्वर की कलीसिया और संयुक्त राज्य अमेरिका पर न्याय लाया जाता है, वही वह इतिहास है जिसमें रिपब्लिकन सींग और प्रोटेस्टेंट सींग दोनों का न्याय होता है। जहाँ प्रभु के मुख से लाओदीकियाई एडवेंटाद उगल दिया जाता है, वहीं संयुक्त राज्य अपना अनुग्रहकाल का प्याला भर देता है, और राष्ट्र पर राष्ट्रीय विनाश लाया जाता है, और तब शैतान प्रकट होकर अपना अद्भुत कार्य आरंभ करता है। रविवार

के कानून के समय एक लाख चवालीस हज़ार पर मुहर लगा दी जाती है और उन्हें पताका के रूप में ऊँचा उठाया जाता है।

हमें बताया गया है कि "जब स्वर्गीय महिमा और अतीत के उत्पीड़नों की पुनरावृत्ति मिलकर एक हो जाएँ, तब पृथ्वी पर जीवित रहने वाले परमेश्वर के लोगों के अनुभव" का कोई भी आभास देना असंभव है।

शैतान बाइबल का परिश्रमी विद्यार्थी है। उसे पता है कि उसका समय कम है, और वह हर संभव अवसर पर इस पृथ्वी पर प्रभु के कार्य का विरोध करने का प्रयत्न करता है। जब स्वर्गीय महिमा और अतीत के उत्पीड़नों की पुनरावृत्ति एक साथ मिल जाएगी, तब पृथ्वी पर जीवित रहने वाले परमेश्वर के लोगों के अनुभव का कोई वर्णन करना असंभव होगा। वे परमेश्वर के सिंहासन से निकलने वाले प्रकाश में चलेंगे। स्वर्गदूतों के माध्यम से स्वर्ग और पृथ्वी के बीच निरंतर संचार रहेगा। और शैतान, दुष्ट स्वर्गदूतों से घिरा हुआ और स्वयं को परमेश्वर बताता हुआ, हर प्रकार के चमत्कार करेगा, ताकि यदि संभव हो तो चुने हुए को भी धोखा दे। परमेश्वर के लोग चमत्कार करने में अपनी सुरक्षा नहीं पाएँगे, क्योंकि शैतान उन चमत्कारों की नकल करेगा जो किए जाएँगे। परमेश्वर के परखे हुए और परीक्षित लोग अपनी शक्ति उस चिन्ह में पाएँगे जिसका उल्लेख निर्गमन 31:12-18 में है। उन्हें जीवित वचन पर दृढ़ रहना है: 'लिखा है।' यही एकमात्र आधार है जिस पर वे सुरक्षित खड़े रह सकते हैं। जिन्होंने परमेश्वर के साथ अपनी वाचा तोड़ी है, वे उस दिन परमेश्वर के बिना और आशा के बिना होंगे। टेस्टिमोनीज़, खंड 9, 16.

अतीत के उत्पीड़नों की पुनरावृत्ति संयुक्त राज्य अमेरिका में रविवार के कानून से शुरू होती है, क्योंकि उसी समय शैतान अपना अद्भुत कार्य आरंभ करता है, और वे बुद्धिमान कुँवारियों जो पहले ही "आज़माई और परखी" जा चुकी हैं, तब "परमेश्वर के सिंहासन से निकलने वाले प्रकाश में चलेंगी।" यह स्वर्गदूतों के कार्य के माध्यम से पूरा किया जाएगा, क्योंकि "स्वर्गदूतों के द्वारा स्वर्ग और पृथ्वी के बीच निरंतर संचार होगा।"

जो अभिषिक्त जन सम्पूर्ण पृथ्वी के प्रभु के पास खड़े हैं, उनके पास वह पद है जो कभी शैतान को आवरण करने वाले करूब के रूप में दिया गया था। अपने सिंहासन के चारों ओर स्थित पवित्र प्राणियों के द्वारा, प्रभु पृथ्वी के निवासियों के साथ निरंतर संवाद बनाए रखते हैं। स्वर्णिम तेल उस अनुग्रह का प्रतीक है जिसके द्वारा परमेश्वर विश्वासियों के दीपकों को आपूर्ति करता रहता है, ताकि वे टिमटिमाएँ नहीं और बुझ न जाएँ। यदि यह पवित्र तेल, परमेश्वर की आत्मा के संदेशों के द्वारा, स्वर्ग से न उड़ेल जाया, तो दुष्ट शक्तियाँ मनुष्यों पर पूर्ण नियंत्रण कर लेतीं।

जब हम वे संदेश ग्रहण नहीं करते जो वह हमें भेजता है, तब परमेश्वर का अनादर होता है। इस प्रकार हम उस स्वर्णिम तेल को अस्वीकार कर देते हैं, जिसे वह हमारी आत्माओं में उड़ेलना चाहता है, ताकि उसे अंधकार में पड़े लोगों तक पहुँचाया जा सके। जब यह पुकार आएगी, "देखो, दूल्हा आ रहा है; उससे मिलने के लिए बाहर निकलो," तब जिन्होंने पवित्र तेल नहीं पाया, जिन्होंने अपने हृदयों में मसीह के अनुग्रह को नहीं संजोया, वे मूर्ख कुँवारियों की तरह पाएँगे कि वे अपने प्रभु से मिलने के लिए तैयार नहीं हैं। उनके पास अपने भीतर तेल प्राप्त करने की शक्ति नहीं होती, और उनका जीवन बरबाद हो जाता है। परन्तु यदि हम परमेश्वर से पवित्र आत्मा माँगें, यदि हम मूसा की तरह विनती करें, "अपनी महिमा मुझे दिखा," तो परमेश्वर का प्रेम हमारे हृदयों में उड़ेल दिया जाएगा। स्वर्णिम नलिकाओं के द्वारा वह स्वर्णिम तेल हम तक पहुँचाया जाएगा। "न सामर्थ्य से, न शक्ति से, परन्तु मेरी आत्मा से," सेनाओं के प्रभु का यह वचन है। धर्म के सूर्य की उज्ज्वल किरणों को ग्रहण करके, परमेश्वर की सन्तान संसार में ज्योतियों के समान चमकते हैं। रिव्यू एंड हेराल्ड, 20 जुलाई, 1897.

ज्ञानी वे हैं जो प्रकाशितवाक्य अध्याय सात और यहजेकल अध्याय नौ में मुहरबंद किए गए हैं, और जिनकी तुलना उन मूर्खों से की गई है जो प्रभु का अपमान करते हैं, क्योंकि वे "जो संदेश वह भेजता है" उन्हें अस्वीकार करते हैं। मूर्ख वे हैं "जिन्होंने परमेश्वर के साथ अपनी वाचा तोड़ी है, और जो उस दिन परमेश्वर के बिना और आशा के बिना होंगे।" इन दोनों वर्गों की परीक्षा हुई और उन्हें उस बिंदु तक लाया गया जहाँ उन्होंने उस घड़ी के संदेश को स्वीकार या अस्वीकार करने के आधार पर अपना चरित्र प्रकट किया। 11 सितंबर 2001 से उस घड़ी का संदेश अंतिम वर्षा का संदेश रहा

है।

अन्तिम वर्षा का संदेश, जैसा कि यशायाह अध्याय अट्टाईस में प्रतिपादित है, 'पंक्ति पर पंक्ति' की पद्धति से पहचाना जाता है। 'पंक्ति पर पंक्ति' की यह पद्धति बाइबिल-अध्ययन के लिए परमेश्वर द्वारा ठहराई गई पद्धति है; इसलिए उस पद्धति को अस्वीकार करना केवल 'पंक्ति पर पंक्ति'—'यहाँ थोड़ा, वहाँ थोड़ा'—के अनुप्रयोग के माध्यम से प्रस्तुत संदेश को अस्वीकार करना ही नहीं, बल्कि उस पद्धति के दाता को भी अस्वीकार करना है।

परीक्षण की प्रक्रिया में प्रकट किए गए दैवी-प्रेरित मानदंडों के कारण, जो एक लाख चवालीस हजार की मुहरबंदी तक ले जाते हैं, यह स्पष्ट है कि परमेश्वर की संतान उस इतिहास से, जहाँ "स्वर्गीय महिमा और अतीत के उत्पीड़नों की पुनरावृत्ति घुल-मिल गई हैं", पार पाने का एकमात्र तरीका यही है कि वह ऐसे अनुभव में रहे जहाँ परमेश्वर के सिंहासन से आने वाले प्रकाश को पहचाना जा सके। उस प्रकाश को पहचाना ही जाना चाहिए; अन्यथा वह व्यर्थ है और हम खो जाते हैं।

हमें अंतिम वर्षा की प्रतीक्षा नहीं करनी चाहिए। यह उन सब पर आने वाली है जो हम पर गिरने वाली अनुग्रह की ओस और फुहारों को पहचानेंगे और अपनाएँगे। जब हम प्रकाश की झलकियाँ समेट लेते हैं, जब हम परमेश्वर की निश्चित दयाओं की कद्र करते हैं, जो यह चाहता है कि हम उस पर भरोसा करें, तब हर प्रतिज्ञा पूरी होगी।
[यशायाह 61:11 उद्धृत.] सम्पूर्ण पृथ्वी परमेश्वर की महिमा से भर दी जाएगी। दि सेवेंथ-डे एडवेंटिस्ट बाइबल कमेंटरी, खंड 7, 984.

उस काल में, जो 11 सितंबर, 2001 को आरम्भ हुआ, जब प्रकाशितवाक्य अठारह का स्वर्गदूत अपनी महिमा से सारी पृथ्वी को भर देता है, उत्तर-वर्षा केवल उनके "ऊपर" आई है "जो" "अनुग्रह की ओस और फुहारों" को "पहचानकर और अपनाकर" चलते आए हैं, जो "हम पर बरस" रही "है"। बहन वाइट द्वारा पहले इंगित की गई "बड़ी भूल" तब हुई जब मूर्ख कुँवारियों ने सोचा कि वे तब तक प्रतीक्षा कर सकती हैं जब तक कि उत्तर-वर्षा बिना माप के उंडेल न दी जाए, क्योंकि तब वे सोचती थीं कि वे अपना पिछड़ापन पूरा कर लेंगी। ऐसा नहीं है; केवल वे ही अधिक प्रकाश पाते हैं जो परमेश्वर के भविष्यवाणी-संबंधी वचन की अपनी समझ में बढ़ रहे हैं।

जब हम इस लेख का समापन कर रहे हैं, तो जिस बात की ओर मैं इंगित करना चाहता हूँ, वह उस परीक्षा के समय के उद्देश्य से संबंधित है, जिसमें हम अभी हैं। यदि हमें उस समय, जब अतीत के उत्पीड़न फिर से दोहराए जाएँ, "परमेश्वर के सिंहासन से निकलने वाले प्रकाश में चलना" है, तो हमें संकट से पहले ही भविष्यवाणी के वचन में पारंगत होना होगा।

पहले अध्याय में, दानिय्येल और तीनों शूरवीरों ने नबुकदनेस्सर द्वारा परीक्षित होने के लिए जाने से पहले ही अपनी शिक्षा सिद्ध कर ली थी। चालीस दिनों तक मसीह ने चेलों की समझ के लिए भविष्यवाणी के वचन को खोला, उन दस दिनों से पूर्व जिनमें चेलों ने अपनी एकता को सिद्ध किया। फिर पिन्तेकुस्त का दिन आया, जो रविवार के कानून का प्रतीक है।

दानिय्येल के तीसरे अध्याय में, शद्रक, मेशक और अबेदनगो ने नबूकदनेस्सर से कहा कि उन्हें कोई अतिरिक्त समय नहीं चाहिए, क्योंकि रविवार के कानून की परीक्षा के समय उन्हें क्या करना है, यह वे पहले ही तय कर चुके थे। जब वे मसीह के साथ आग की भट्टी में चले, तब उनकी निष्ठा और भी उजागर हुई, और भट्टी में हुए उस चमत्कार के साक्षी बने सभी आए हुए गण्यमान्यों के माध्यम से, वह संदेश जिसमें वे परीक्षा से पहले ही दृढ़ हो चुके थे, तब के समस्त ज्ञात जगत तक पहुँच गया।

हम इन विचारों को अगले लेख में आगे बढ़ाएँगे।